सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 13 | अंक : 148 | अगस्त : 2022

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

8 समसामयिकी घटना संग्रह

9 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 आर्थिक घटना संग्रह

- भारत में दुनिया का सबसे ज्यादा 48 अरब का रीयल-टाइम भुगतान
- RBI के बैंक नोट सर्वेक्षण में ₹100 सबसे पंसदीदा बैंक नोट
- एलन मस्क 2021 के सबसे अधिक वेतन पाने वाले सीईओ
- मार्च 2023 तक भारत में शुरू होंगी 5जी सेवाएं
- दिल्ली-एनसीआर में कोयले के उपयोग पर प्रतिबंध

23 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत सरकार ने अग्निपथ सैन्य भर्ती योजना शुरू की
- केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने चौथा राज्य खाद्य सुरक्षा सूचकांक जारी किया
- प्रधानमंत्री ने मुम्बई में राजभवन में जल भूषण भवन और क्रांतिकारियों की गैलरी का उद्घाटन किया
- प्रधानमंत्री के रोजगार सृजन कार्यक्रम को वित्त वर्ष 2026 तक बढ़ाया गया

27 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के 5 नए अस्थायी सदस्यों की घोषणा 2022
- भारत 2021 में अक्षय ऊर्जा प्रतिष्ठानों में तीसरे स्थान पर
- विश्व वायु शक्ति सूचकांक में भारतीय वायु सेना तीसरे स्थान पर
- 7वीं फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया लिस्ट 2022 जारी
- यूएस इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक प्लान में शामिल हुआ भारत

31 खेल खिलाड़ी

- हरियाणा ने जीता खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021 का खिताब
- मिताली राज ने अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की
- IPL 2022 में गुजरात टाइटंस ने जीता खिताब
- राफेल नडाल ने जीता फ्रेंच ओपन पुरुष एकल का खिताब

35 विज्ञान समाचार

37 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

40 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

44 **सामाजिक लेख**—घटती संवदेनशीलता बढ़ते वृद्धाश्रम

45 **सामयिक लेख**—भारतीय स्वास्थ्य ढाँचे का पुनर्गठन बेहद जरूरी

46 **ऊर्जा लेख**—कैसे दूर हो देश का बिजली संकट

47 **आध्यात्मिक लेख**—वेद बताते हैं धन अर्जित करने का सबसे बेहतर तरीका

48 **प्रौद्योगिकी लेख**—टेक्नोलॉजी कम्पनियों की बढ़ती मनमानी

49 **प्राकृतिक संसाधन लेख**—भूजल प्रबंधन की आवश्यकता

50 **निर्वाचन लेख**—एक देश एक चुनाव वक्त की जरूरत

51 **विधि लेख**—अल्पसंख्यक दर्जा मामले पर नए सिरे से विचार

69 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

70 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-145 का परिणाम**

71 **रोजगार अवसर**

72 **अर्द्धवार्षिकी : समसामयिक घटनाएं**

हल प्रश्न-पत्र

53 केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2021 (कक्षा I–V)

मॉडल हल

63 आगामी उत्तर प्रदेश राजस्व लेखपाल मुख्य परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

- सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005 — **फोन**–2531101, 2530966
- दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002 — **फोन**–011-23251844, 43259035
- पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004 — **मो**–09334137572
- हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना) — **मो**–09391487283
- हल्द्वानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) — **मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

अहंकार को दूर रखिए

''अगर आप में अहंकार है और आपको क्रोध आता है, तो ज़िंदगी में आपको किसी और शत्रु की आवश्यकता नहीं.'' **—चाणक्य**

सर्वविदित है कि पाण्डवों ने योगेश्वर श्रीकृष्ण के कुशल नेतृत्व में महाभारत में विजयश्री का वरण किया था. विजय प्राप्ति में मुख्य हेतु रहे थे वीरवर गाण्डीवधारी अर्जुन.

युद्धोपरांत अर्जुन के मन में विजय प्राप्ति को लेकर अहंकार का उदय हुआ— वह सोचने लगे कि मैं वास्तव में अजेय हूँ. मैंने अनेकानेक दुधर्ष एवं ख्यातिनामा वीरों पर विजय प्राप्त की है.

अर्जुन के मनोभावों को देखकर श्रीकृष्ण जी ने अर्जुन से कहा—मुझे यहाँ कुछ समय तक कुछ आवश्यक कार्य हैं. इन गोपिकाओं को तुम द्वारकापुरी पहुँचा आओ. होनहार की बात, मध्य प्रदेश के वनों में भीलों के एक समुदाय ने अर्जुन को घेर लिया और गोपियों को लूट लिया. अर्जुन मूक दर्शक बने रहे उक्त घटना को लक्ष्य करके यह लोकोक्ति प्रचलित हो गई—

मनुज कछू ना कर सके, प्रभु इच्छा बलवान।
भीलन लूटीं गोपिका, वे ही अर्जुन, वे ही बाण।

भारतीय साहित्य में ऐसे अनेक उदाहरण भरे पड़े हैं, जो यह बताते हैं कि अहंकार व्यक्ति का वैभव पल भर में ही समाप्त कर देता है. भगवान को अथवा महाप्रकृति को अहंकार सह्य नहीं है. अतीत में रावण और आधुनिक काल में हिटलर इस तथ्य के ज्वलन्त उदाहरण हैं कि—''गरब गुपालहिं भावत नाहीं।''

कवीन्द्र रबीन्द्र ने लिखा है कि हाथी, घोड़े आदि को दाना-घास आदि की आवश्यकता होती है, परन्तु अहंकार को पनपने के लिए किसी प्रकार के भोजन की, बाह्य सहायता की आवश्यकता नहीं होती है, वह सहजभाव से व्यक्ति को मदहोश बनाता रहता है और उसे पतन एवं विनाश की ओर ले जाता है. अहंकार चेतना का आवश्यक अंग है. यह ''मैं हूँ'' के भाव को जन्म देता है, परन्तु जैसे ही वह इस सीमा को पार करके ''मैं ही हूँ'' की सीमा में प्रवेश करने लगता है, वैसे ही उसका दंश व्यक्ति में मैं ही सर्वस्व हूँ—''हम चुनी दीगरां नैस्त'' का नशा घर कर जाता है. इस अवस्था को प्राप्त व्यक्ति क्रमशः असहिष्णु बनने लगता है, सामर्थ्यानुसार उत्पीड़क बनने लगता है आदि, जो समझदार होते है, वे अहंकार को अपने ऊपर हावी नहीं होने देते हैं और अपने निर्धारित हित जीवन-पथ पर बढ़ते चले जाते हैं. अन्यथा अहंकारियों की क्या दुर्गति होती है, यह सर्वविदित है ?

जो व्यक्ति अहंकार की सर्वव्यापकता एवं सर्वग्रासिनी शक्ति से परिचित होते हैं, वे प्रयत्नपूर्वक उसको अपने वश में कर लेते हैं और उसकी विपुल शक्ति का सकारात्मक प्रयोग करते हैं. ऐसा करने में समर्थ व्यक्ति ही महान् विभूति के पद को प्राप्त होते हैं. महान् वैज्ञानिक न्यूटन महान् उपलब्धियों के उपरान्त यही कह दिया करता था—मैंने अभी ज्ञान के सागर में प्रवेश भी नहीं किया है. मैं तो अभी समुद्र तट के सीपी घोंघे ही एकत्र कर रहा हूँ. अस्तु.